श्रीमती एम.एम.के. वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र महाविद्यालय

पूर्व वार्षिक कृति पत्रिका - २०१९

विषय - हिंदी

कक्षा - १२वीं | **अंक - ८०**

दिनांक - 10.01.19 | **समय - ३घंटे**

सूचना-

सूचना के अनुसार गद्य, पद्य की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखिए।

गद्य विभाग

कृति १) अ) परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

१) संजाल पूर्ण कीजिए- (२)

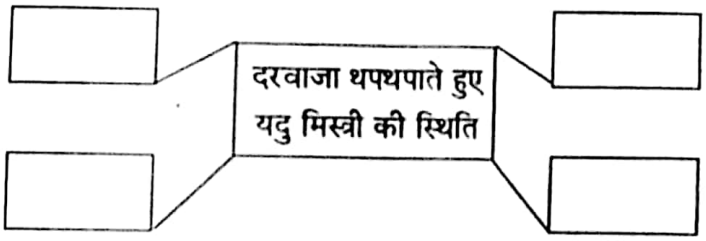

इधर बाहर दरवाजा थपथपा रहा और आवाज लगा रहा यदु मिस्त्री बारिश में पूरी तरह भीगा हुआ था। उसके कपड़े बदन से चिपक गए थे और माथे के बेतरतीब बालों से पानी की बूँदें टप-टप चू रही थीं। वह कुछ हाँफ भी रहा था। बारिश में भीगते और दौड़ते हुए ही वह यहाँ आया था। अपनी घरवाली को आज ही दोपहर अपने गाँव से यहाँ शहर के अस्पताल में लाया था। उसके पेट के दर्द का एकमात्र इलाज डॉक्टर ने ऑपरेशन बताया था। गाँव से जो पैसे लेकर वह चला था, वह तो चिकित्सक की मोटी फीस और महँगी सुइयों-दवाइयों में तत्क्षण समाप्त हो गए थे। फिलहाल कुछ रुपयों की उसे सख्त आवश्यकता थी। गाँव जाकर रुपए लाने का समय भी तो उसके पास नहीं। इस स्थिति में सहसा उसका ध्यान सचदेव बाबू की ओर चला आया था।

सचदेव बाबू के मकान में लंबे समय तक काम कर चुका था वह। उनके मकान निर्माण के लिए ही उसे गाँव से बुलवाया था ठेकेदार ने। शहर के मिस्त्रियों से ज्यादा काम करता था वह। नींव से लेकर छत ढलाई और प्लास्टर-फिनिशिंग तक इस मकान में कर चुका था। इस घर की एक-एक ईंट से वह परिचित था। कई जगह सचदेव बाबू जैसा चाहते थे, उनकी बात ठेकेदार नहीं समझ पाता था लेकिन मिस्त्री होने के चलते वह जल्द ही समझ जाता था। यह देख सचदेव बाबू उसपर खुश हो उठते थे और ठेकेदार से कहते थे, ''इस मिस्त्री को यहाँ से मत हटाना। इसे काम की अच्छी जानकारी है और यह परिश्रमी भी है।''

त्योहारों पर तो वे अपनी ओर से उसे अक्सर बख्शीश भी दिया करते थे और लंच के लिए अपने

Scanned by CamScanner

खाने में से सब्ज़ी और अचार आदि से भी प्रदान करते रहते थे। ठेकेदार का काम समाप्त होने पर भी बचे हुए शेष कार्य के लिए उन्होंने उसे अपने यहाँ कायम रखा था। अपने प्रति उनके इस आकर्षण ने ही इस तूफानी रात में उसे यहाँ तक पहुँचा दिया था। उनसे प्रार्थना कर कुछ रूपए माँग लेगा वह। वे ना नहीं करेंगे। फिर गाँव से लौटते ही उनके रुपए ला चुकाएगा।

२) उचित विकल्प चुनकर विधान पूर्ण कीजिए:- (२)

१) सचदेव बाबू के मकान में ..... तक काम कर चुका था वह।
(हर समय/लंबे समय/कुछ समय)

२) यदु मिस्त्री को काम की अच्छी जानकारी थी और वह ..... भी था।
(परिश्रमी/आलसी/हठी)

३) त्योहारों पर तो वे अपनी ओर से उसे अक्सर ..... भी दिया करते थे।
(पैसा/भोजन/बख्शीश)

४) उनके मकान निर्माण के लिए ही उसे गाँव से बुलवाया था ..... ने।
(ठेकेदार/राजमिस्त्री/डॉक्टर)

३) पर्यायवाची शब्द लिखिए- (२)

१) मकान - ☐☐

२) त्योहार - ☐☐

४) आपने किस अवसर पर बख्शीश प्राप्त किया है- अपनी मनोदशा को व्यक्त करते हुए वर्णन कीजिए। (२)

आ) परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए-

१) संजाल पूर्ण कीजिए:- (२)

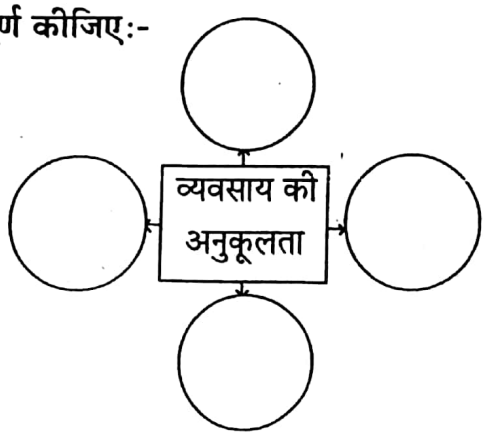

जब यह निर्विवाद सिद्ध है कि काम न करना अथवा आलस्यपूर्ण जीवन बिता देना देह-धर्म के विरुद्ध है, हमारा यही कर्तव्य है कि हम कुछ-न-कुछ अच्छा व्यवसाय अपने लिए पसंद करें। यह व्यवसाय हमारे मन, इच्छा, कार्यशक्ति और स्वभाव के अनुकूल होना चाहिए। स्वाभाविक प्रकृति के प्रतिकूल व्यवसाय करने में सफलता कभी हो नहीं सकती। मनुष्य जीवन के असफल होने के दो मुख्य

Scanned by CamScanner

कारण हैं-पहला यह कि वह कभी-कभी अपनी स्वाभाविक कार्य-शक्ति के विरुद्ध व्यवसाय में लग जाता है। दूसरा कारण यह है कि मनुष्य व्यवसाय-कुशल हुए बना ही अपने कार्यों को शुरू कर देता है, परंतु जब तक कार्यकुशलता और कामचलाऊ अनुभव न हो जाए तब तक सहसा कोई काम शुरू न करना चाहिए। यह सच है कि अनुभव और कुशलता जल्द नहीं आती, परंतु इन्हें-दृष्टि के बाहर जाने नहीं देना चाहिए।

ऊपर कहा जा चुका है कि जीवन-संग्राम में मनुष्य अमुक दो कारणों से अकृतकार्य होता है, परंतु हमारे भारतवर्ष में एक और तीसरा कारण देखा जाता है। इस देश के पढ़े-लिखे शिक्षित लोग मानसिक और मौखिक कार्य करना अधिक पसंद करते हैं। लोगों में शारीरिक व्यवसायों से एक प्रकार की घृणा उत्पन्न हो गई है। ऐसे अनेक उदाहरण देखने को मिलते हैं। एक मनुष्य आठ रुपए माहवार पर म्युनिसिपल नाके का मुंशी बनकर कान में कलम दबा रखने में अपने जीवन की सार्थकता समझता है, परंतु अन्य शारीरिक कार्य करके अधिक द्रव्य पैदा करने में उसे लज्जा मालूम होती है। भारतवर्ष में बाबू साहिबी की बीमारी दिनों-दिन बढ़ रही है और शोक के साथ कहना पड़ता है कि यदि किसी ने इस मर्ज की दवा शीघ्र न निकाली तो यह बीमारी असाध्य हो जाएगी। स्मरण रहे कि शारीरिक श्रम करने से और अपनी कर्मेंद्रियों को किसी उपयोगी कार्य में लगा देने से ही शिक्षित समाज अपने देश के लिए आदर्श हो सकता है। विद्यार्थियों को उचित है कि वे इस पर ध्यान दें और शारीरिक श्रम से घृणा न करें।

२) **कारण लिखिए।** (२)

मनुष्य जीवन में असफलता के कारण

१) [ ] २) [ ]

३)१) **शब्दों के अर्थ लिखिए-** (२)

१) स्मरण २) असाध्य

२) **शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-**

१) शिक्षित २) घृणा

४) 'विद्यार्थियों को शारीरिक श्रम से घृणा नहीं करनी चाहिए-' (२)

इस वाक्य से आप कहाँ तक सहमत हैं, मत लिखिए।

इ) **लगभग ८० से १०० शब्दों में उत्तर लिखिए। (केवल एक)** (४)

१) 'सोना' के प्रति लेखिका के प्रेमभाव को अपने शब्दों में लिखिए।

२) 'एक मुट्ठी छाँव' कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

३) चित्रगुप्त की परेशानियों को रेखांकित कीजिए।

Scanned by CamScanner

पद्य विभाग

कृति.२ अ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

१) तालिका पूर्ण कीजिए- (२)

असत्य, झूठ, अहंकार, न्याय

(क)	न करने की सलाह
झूठा	
अधिकार	
व्यापार	
गवाही देना	

मत झूठ में ग्वाही भरो, या न्याय झूठा ना करो।
अधिकार में मद ना धरो या चाकरी में ना डरो।।
बेपार में ना हो असत्, धनी या हकीम में हो कदर।
संसार में तब सार है, अपनी स्थिति में नेक धर।।

२) रिक्त स्थान की पूर्ण कीजिए- (२)

१) ..... झूठ में ग्वाही भरो।
२) धनी या ..... में हो कदर।
३) अपनी स्थिति में ..... धर ।।
४) ..... में तब सार है।

३) पद्यांश का भावार्थ अपने शब्दों में लगभग ८ से १० पंक्तियों में लिखिए। (२)

आ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

१) संजाल पूर्ण कीजिए- (२)

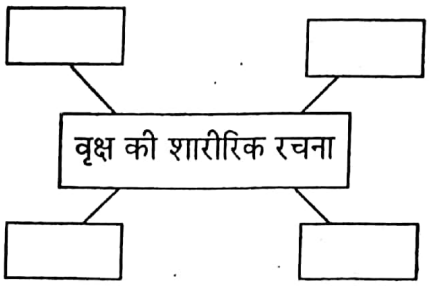

अबकी घर लौटा तो देखा वह नहीं था-
वही बूढ़ा चौकीदार वृक्ष
जो हमेशा मिलता था घर के दरवाजे पर तैनात।

Scanned by CamScanner

पुराने चमड़े का बना उसका शरीर
वही सख्त जान
झुर्रियोंदार खुरदुरा तना मैला-कुचैला,
राइफिल-सी एक सूखी डाल,
एक पगड़ी फूल पत्तीदार,
पाँवों में फटा-पुराना जूता
चरमराता लेकिन अक्खड़ बल बूता

धूप में, बारिश में,
गर्मी में, सर्दी में,
अपनी खाकी वर्दी में
दूर से ही ललकारता, 'कौन ?'
मैं जवाब देता, 'दोस्त!'

२)१) वचन बदलिए- (१)

क) जूता ख) पगड़ी

२) कविता में प्रयुक्त शब्द ढूँढ़कर लिखिए- (१)

क) जिस त्वचा पर सिकुड़न पड़ा हो -

ख) विशेष विभाग के लिए नियत पहनावा -

३) पद्यांश का अर्थ लिखिए। (२)

इ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

१) संजाल पूर्ण कीजिए। (२)

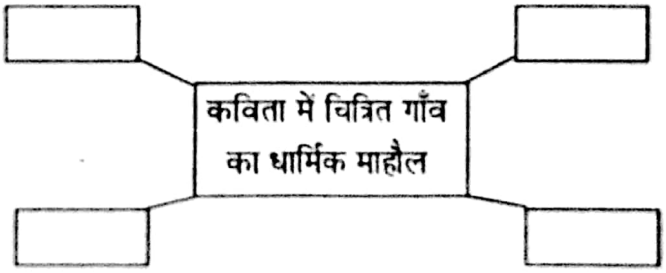

'ईद' की सेवैयाँ और 'होली' का हुड़दंग,
रेशमा और रश्मि खेलती थीं संग-संग
'राम' और 'रहीम' भी नहीं थे इतने तंग,
धर्म के नाम पर नहीं था, खून छिड़काव,
बहुत याद आता है.....

सीमेंट और कंक्रीट में मेरा गाँव कहीं खो गया,
बुलडोजर की खड़खड़ाहट में चिर निद्रा में सो गया,
मन की क्यारियों में, यादों में बो गया,
आँखों से ही ओझल, दे गया एक हरा घाव,
बहुत याद आता है....

२) पद्यांश का संदेश लिखिए (२)

Scanned by CamScanner

द्रुत वाचन

प्र. ३ अ) परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

१) संजाल पूर्ण कीजिए। (२)

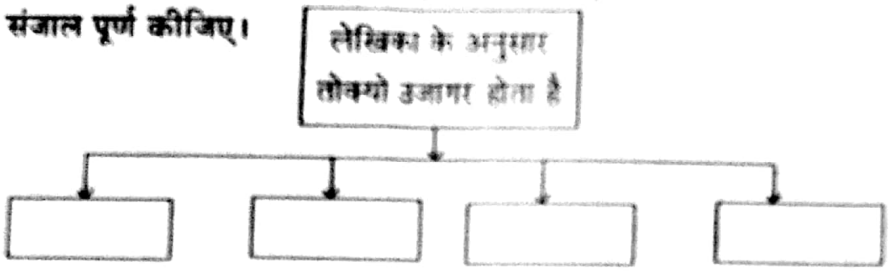

हमारे पास पूरी एक शाम और रात थी। जैसे-जैसे दिन छुपता है, तोक्यो उजागर होता जाता है- गलियों में, बाजारों, सागर और किनारों में। सुरेश ऋतुपर्ण हमें फिर ले चले कभी जमीन के नीचे, कभी ऊपर। कई तल्लों पर रेल चलती है, चलती क्या समझ लें, उड़ती है। सुरेश जी ने कोई वाहन नहीं छोड़ा- हमें सामान्य रेल से लेकर मोनो रेल, स्वचालित रेल और लांच में घुमाया। हमने हवा में लहराती तोक्यो की जगमग नगरी देखी, समुद्र की सतह पर थरथराती तोक्यो की रंगबिरंगी रोशनियाँ देखीं, और तो और वहाँ अमरीका की स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी का प्रतिरूप भी स्थापित देखा। मैंने जिज्ञासा की, ''जापान में इतने तूफान और भूचाल आते हैं, इतनी गगनचुम्बी इमारतें फिर क्यों बनाई गई हैं?'' सुरेश जी ने बताया, ''इनकी हर मंजिल पर इतनी जगह जानबूझ कर छोड़ी गई है जो भूकंप के धक्के सक सके।'' हमें तोक्यो से ओसाका जाना है। हमें जापान रेलवे की सबसे तेज गति रेल शिन्कान्सेन पकड़नी है। 'शिन्कान्सेन' का शाब्दिक अर्थ है-न्यू ट्रंक लाइन। इसे बुलेट ट्रेन भी कहते हैं। जापान के निवासी इस रेल से यात्रा करना एक मौलिक अनुभव मानते हैं। जहाँ गंतव्य से अधिक गति का महत्त्व है, मंजिल सफर की अहमियत। स्टेशन को यहाँ इकी कहते हैं।

बुलेट या शिन्कान्सेन १६ डिब्बों की गाड़ी है। हर गाड़ी में १३०० यात्रियों के बैठने का प्रबंध है। १३०० फीट लंबी इस रेल में ४० मोटर जेनरेटर लगे होते हैं। जिस वक्त यह १७० किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलती है, कहीं भी रुकने के लिए इसे कम-से-कम ५ किलोमीटर की गुंजाइश चाहिए, इतनी तीव्र इसकी गति है। तोक्यो और ओसाका के बीच ६६ गुफाएँ आती हैं। सबसे बड़ी गुफा ५ मील लंबी है और सबसे छोटी १०० फीट लंबी। १८६०० कर्मियों की कार्यक्षमता का उपयोग इसके संचालन में प्रतिदिन लगता है।

२) प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए- (२)

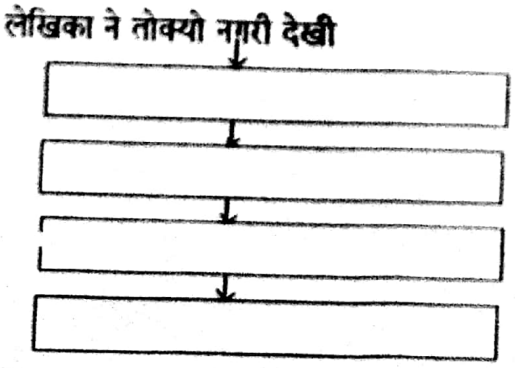

Scanned by CamScanner

३) 'विज्ञान द्वारा जीवन में रफ्तार आ गया है' – इस तथ्य पर अपने विचार लिखिए। (२)

आ) परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

१) संजाल पूर्ण कीजिए। (२)

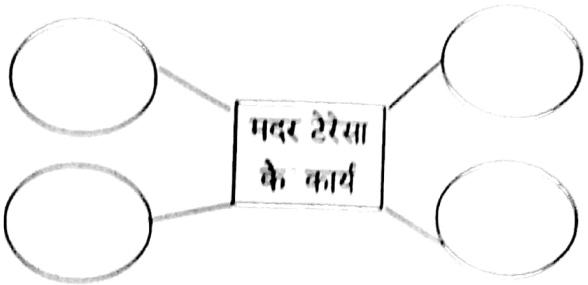

मानवता की सच्ची सेविका मदर टेरेसा का जन्म २६ अगस्त, १९१० को मक्दूनिया के एकोप्जे नामक स्थान पर हुआ। वे तीन भाई-बहनों में सबसे छोटी थीं तथा पिता एक सफल व्यापारी थे। १२ वर्ष की आयु में उन्होंने तय किया कि वे मिशनरी बनेंगी। १८ वर्ष की आयु में वे लोरेटो सिस्टर्स के लिए काम करने लगीं जो भारत में बहुत सक्रिय था।

२४ मई, १९३१ को उन्होंने नन के रूप में शपथ ली था १९४८ तक कलकत्ता के सेंट मेरी स्कूल में अध्यापन करती रहीं। कलकत्ता में स्कूल आते-जाते समय वे प्राय: झोपड़पट्टियों में बसे निर्धनों की दशा देख द्रवित हो जातीं। एक बार उन्होंने मरणासन्न रोगी को देखा, जो कष्ट के कारण अंतिम साँसें भी नहीं ले पा रहा था।

मदर ने अपने अधिकारियों से अनुमति लेकर, कलकत्ता में 'मिशनरी ऑफ चौरिटी' की स्थापना की। बेघर बच्चों के लिए स्कूल खोला, बीमार व्यक्तियों के लिए अस्पताल खोला और मरणासन्न रोगियों को भरपूर सेवा तथा स्नेह मिलने लगा कई दूसरी लड़कियाँ भी सदस्या बन गईं। वे भी पूरे प्रेमभाव से निर्धन तथा अहसायों की सेवा करती। अनाथ बच्चों के लिए भी एक संस्था खोली गई। मदर लोगों के घर-घर जाकर खाना, दवाएँ तथा कपड़े माँगती। कुछ समय बाद लोग स्वयं आकर चंदा देने लगे।

मदर के काम को विश्व स्तर पर सराहा गया क्योंकि केवल भारत में ही नहीं बल्कि एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमरीका, पोलैंड व ऑस्ट्रेलिया आदि देशों में भी मदर की संस्था अपना कार्य करने लगी। १९६५ में पोप जॉन पॉल ने मदर को दूसरे देशों में अपनी सेवाएँ देने की आज्ञा दे दी।

मदर को अनेक पुरस्कार व सम्मान प्राप्त हुए। जिनमें पोप जॉन पीस प्राइज (१९७१), अंतर्राष्ट्रीय शांति व सूझबूझ का नेहरू पुरस्कार, बाल्जान पुरस्कार, नोबेल पीस प्राइज तथा भारतरत्न आदि शामिल हैं। उन्होंने पुरस्कारों से प्राप्त धनराशि भी निर्धनों तथा रोगियों की सेवा में ही लगा दी।

५ सितंबर, १९९७ को अपने ८७वें जन्मदिन के ठीक १०वें दिन मदर चल बसी। १९ अक्टूबर, २००३ को मदर को 'ब्लैस्ड टेरेसा ऑफ कैलकटा' घोषित किया गया।

२) तालिका पूर्ण कीजिए। (२)

मदर टेरेसा को मिले पुरस्कार और सम्मान

Scanned by CamScanner

१. .....
२. .....
३. .....
४. .....

व्याकरण - विभाग

कृति.४. १) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए- (२)

१) वास्तविकता जानकर बुआ जी भी रोते-रोते हँस पड़ीं। (सामान्य वर्तमान काल)

२) काम करने से भीतर की शक्ति जाग उठती है। (पूर्ण भूतकाल)

३) बच्चों को स्कूल न भेजना कानूनन अपराध है। (सामान्य भविष्यकाल)

२) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो के रचनानुसार भेद लिखिए- (२)

१) अहिंसा मानवता को उपलब्ध सबसे बड़ा बल है।

२) भीमराव ने शिक्षा विभाग से कुछ रूपए पेशगी के लिए और उनमें से कुछ आनंदराव को दिए।

३) उसी दिन पहली बार लगा कि उनकी भयंकर कठोरता में कहीं कोमलता भी छिपी है।

३) निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं दो के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए। (२)

१) पिंड न छोड़ना २) डींग हाँकना

३) धक सा रह जाना ४) दिमाग सातवें आसमान पर होना

४) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द का भाववाचक संज्ञा रूप लिखिए। (१)

१) स्नेही २) चंचल

५) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द का विशेषण रूप लिखिए। (१)

१) आलस्य २) संसार

६) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए। (२)

१) हमें भारत को और पूरे संसार को जगानी है।

२) उसके बाद अन्नू को पढ़ने को लिए बैठना होता।

३) अभी दो दशक पहले तक शनि के दस उपग्रह खोजा गए थे।

रचना विभाग

कृति.५) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग २०० से २५० शब्दों (१०)

Scanned by CamScanner

में निबंध लिखिए।

१) इंटरनेट युग

२) बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ

३) यदि मैं शिक्षामंत्री होता/होती....

४) अकाल पीड़ित किसान की आत्मकथा...

५) बाप बड़ा न भैया सबसे बड़ा रूपैया...

कृति. ६. अ) दिए गए विषय के आधार पर पत्र का नमूना तैयार कीजिए। (५)

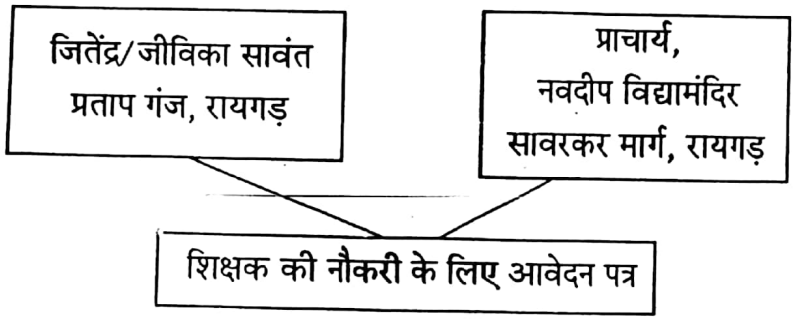

अथवा

अपने कनिष्ठ महाविद्यालय में आयोजित 'आकर्षण' महोत्सव का वृत्तांत लिखिए।

आ) निम्नलिखित अपठित गद्यखंड को पढ़कर आकलन हेतु केवल पाँच प्रश्न तैयार कीजिए:- (५)

प्रेम एक ऐसी अलौकिक शक्ति है, जिससे मनुष्य को अनंत लाभ होते हैं। प्रेम से मानसिक विकास दूर होते हैं, विचारों में कोमलता आती है, सद्‌गुणों की सृष्टि होती है, दुखों का नाश और सुखों की वृद्धि होती है, यहाँ तक कि मनुष्य की आयु भी बढ़ती है। प्रेम ही मनुष्य को साहसी, धीर और सहनशील बना देता है। माता अपने पुत्र के लिए अनंत कष्ट सहती है और स्वयं सब प्रकार के दुख भोगकर उसे सुख देती है। माताओं को बहुधा ऐसी अवस्था में रहना पड़ता है, जिसमें यदि प्रेम का सहारा न हो, तो वे बहुत शीघ्र बीमार हो जाएँ। प्रेम उन्हें रोगी होने से बचाता है। उलटे शुद्ध प्रेम उन्हें बलिष्ठ और सुंदर बनाता है। बिना प्रेम के अच्छी सुख-सामग्री हमें तनिक भी प्रसन्न नहीं कर सकती।

अथवा

दिए गए विषय पर साक्षात्कार तैयार कीजिए।

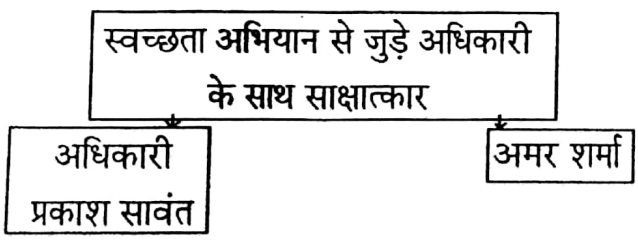

Scanned by CamScanner

ह) निम्नलिखित में से किन्हीं चार पारिभाषिक शब्दों के हिंदी शब्द लिखिए- (८)

१. Governar	२. Population
३. Court	४. Accountant
५. Network	६. Satetile
७. Record	८. Reservation

अथवा

दिए गए विषय पर एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

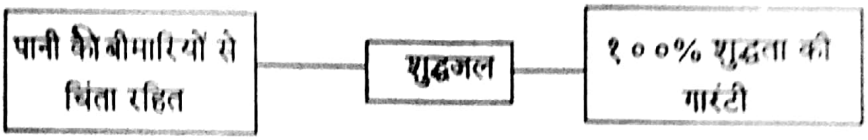

.... **समाप्त** ....

Scanned by CamScanner